यू के क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन, बर्मिंघम

UKRHS-2011

UK Regional Hindi Conference, Birmingham

सम्मेलन स्मारिका

Conference Souvenir

यू.के. क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन

UK REGIONAL HINDI CONFERENCE

24-26 June 2011

Venue

Great Hall of Aston University, King Edward VI House,
1 Aston Street, Eastside, Birmingham B4 7ET

Chair Souvenir: Jai Verma
Co-chair Souvenir: Jugnu Mahajan, Kusum Tandon & Chitra Kumar

ESSENTIAL FOOD INGREDIENTS

KTC PURE GROUND SPICES

FULL OF AROMA AND FLAVOUR

NO ARTIFICIAL COLOURS OR PRESERVATIVES

QUICK AND EASY TO USE

KTC EDIBLES LIMITED
J.S HOUSE, MOORCROFT DRIVE
WEDNESBURY, WEST MIDLANDS
WS10 7DE U.K.
TEL: (0)121 505 9200 FAX: (0)121 505 9229 EMAIL: INFO@KTC-EDIBLES.CO.UK
WWW.KTC-EDIBLES.COM

CONTENTS

1. Messages

1.1 Prince Charles

1.2 The High Commissioner of India to the UK

1.3 The Deputy High Commissioner of India to the UK

1.4 Minister Co-ordination HCI London

1.5 The Consul General of India in Birmingham

1.6 The Vice Chancellor of Aston University

1.7 Lord King

1.8 MP Virendra Sharma

1.9 Hindi and Culture Officer HCI London

1.10 Chair UKRHS-2011

1.11 Chair Souvenir-UKRHS-2011

2. Key Note Address by Prof. Krishna Dutt Paliwal (Hindi)

3. Hamaare Raashtrnaayak, Hindi aur Hum

4. Views of three UK organisations

5. Conference Programme Details

6. The Organising Committee of UKRHS-2011

7. Acknowledgement

8. The main supporters of the Souvenir

CLARENCE HOUSE
LONDON SW1A 1BA

From: The Equerry to TRH The Prince of Wales and The Duchess of Cornwall

Private & Confidential

10th June, 2011

Dear Mr Verma,

Thank you for your letter of 7th May, in which you very kindly invite The Prince of Wales to attend the UK Regional Hindi Conference in Birmingham later this month.

His Royal Highness's diary for June was confirmed several months ago and, very sadly, other long-standing commitments that day mean he is unable to join you. He is so sorry.

However, His Royal Highness was grateful to you for thinking of him and has asked that I pass on his best wishes.

Yours Sincerely

Will

Major Will Mackinlay SCOTS DG

Jai Verma

नलिन सूरी
उच्चायुक्त

भारत का उच्चायोग
इंडिया हाउस, आल्डविच
लंदन WC2B 4NA

संदेश

यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि प्रथम यू.के. क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन-2011 का आयोजन मिडलैंड में किया गया है। मैं इस सम्मेलन में ब्रिटेन, भारत एवं विभिन्न देशों से आए साहित्यकारों, पत्रकारों एवं हिन्दी प्रेमियों का हार्दिक स्वागत करता हूं।

इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंदी भाषा का प्रचार और प्रसार करना तथा इस के माध्यम से आपस में एक दूसरे को जोड़ना है । भाषा का विकास किसी भी देश की सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है ।

इस तरह का सम्मेलन आयोजित करना भाषा के प्रति आपके लगाव को दिखाता है। मैं इस सम्मेलन से जुड़े हुए सभी लोगों का आभार प्रकट करता हूं और आयोजकों को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद देता हूं । मैं आशा करता हूं कि यह सम्मेलन पूर्णरूप से सफल हो।

नलिन सूरी

(नलिन सूरी)

दिनांक- 10/03/2011

सत्यमेव जयते

राजेश एन. प्रसाद
उप-उच्चायुक्त

भारत का उच्चायोग
इंडिया हाउस, आल्डविच
लंदन WC2B 4NA

<u>संदेश</u>

मुझे हर्ष है कि आज हम सभी यू.के. क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन के लिये यहां एकत्र हुए हैं। अनेक यूरोपीय देशों एवं भारत से आए विद्वानों, साहित्यकारों एवं ब्रिटेन के विद्वानों एवं हिन्दी प्रेमियों का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

यह आप का हिंदी के प्रति स्नेह है जो भारत से दूर रहते हुए भी आप ऐसे सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं । अपनी भाषा और संस्कृति को बनाए रखना और उसका प्रचार और प्रसार करना हम भारतवंशियों का एक सम्मिलित उद्देश्य है और यह सम्मेलन हमारे उसी उद्देश्यपूर्ति का एक हिस्सा है।

आप सभी ने मिल कर इस सम्मेलन को इतना सार्थक बनाया है जिससे इस बात का परिचय मिलता है कि आप सभी भारतवंशी कितने संवेदनशील हैं और आत्मिक रूप से भारत से कितने जुड़े हैं। इस सम्मेलन से जुड़ी हुई सभी साहित्यिक संस्थाओं एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं तथा सी जी आई बर्मिंघम सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद क्योकि बिना इन सभी के सहयोग के यह सम्मेलन आयोजित नहीं हो पाता।

निश्चय ही यह सम्मेलन भावी पीढ़ी के लिए एक दिशानिर्देश का कार्य करेगा। सम्मेलन की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

राजेश प्रसाद

(राजेश एन. प्रसाद)

दिनांक- 13/06/11

सत्यमेव जयते

आसिफ़ इब्राहीम
मंत्री समन्वय

भारत का उच्चायोग
इंडिया हाउस, आल्डविच
लंदन WC2B 4NA

<u>संदेश</u>

मुझे बेहद खुशी हो रही है कि हम सभी यहां यू.के. क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन के लिए इकट्ठा हुए हैं। यह पहली मर्तबा है कि हमारे नौजवान (यूथ) भी इस सम्मेलन से जुड पाये हैं। हमारी भाषा और संस्कृति को हमारी नौजवान पीढ़ी यकीनन बहुत आगे लेकर जाएगी।

आज विश्व में हम कहीं भी जाएं , हम अपनी मेहनत, लगन एवं कर्मठता से अपना एक मुकाम हासिल करते हैं जिसमें हमारी भाषा एवं संस्कृति की भी बडी भूमिका होती है क्योंकि इससे हमें एक अपनी पहचान मिलती है। भाषा के प्रति यह आपके स्नेह का ही प्रतिफल है कि सात समन्दर पार भी आप अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति संवेदनशील हैं। इसी वजह से आज इतने बड़े स्तर पर यू.के. क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन का आयोजन हो सका है।

मैं इस सम्मेलन से जुड़े सभी व्यक्तियों एवं संस्थाओं को मुबारकवाद देता हूं जिनकी मेहनत और लगन ने इस कार्य को अंजाम दिया और सम्मेलन आयोजित हो पाया। मैं नयी पीढ़ी का आह्वान् करता हूं कि वो भी इस यात्रा में शामिल हों। मैं इस सम्मेलन की कामयाबी की कामना करता हूं।

जय हिन्द

आसिफ़ इब्राहीम
(आसिफ़ इब्राहीम)

दिनांक- 13/6/11

भारत का प्रधान कौंसल, बर्मिंघम
Consul General of India, Birmingham
"The Spencers", 20 Augusta Street,
Jewellery Quarter, Hockley,
Birmingham B18 6JL

सन्देश

हिंदी भारत की प्रमुख भाषा है जो भारत के अधिकाँश भूभाग में अधिकतर लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है. यह आज भारत की संपर्क भाषा और संघ सरकार की राजभाषा है.

मुझे इस बात की अपार प्रसन्नता है की बर्मिंघम में पहली बार भारतीय दूतावास के संरक्षण में तीन दिवसीय यू.के. क्षेत्रीय हिन्दी सम्मलेन का आयोजन इसी वर्ष २४ से २६ जून तक किया जा रहा है. गीतांजलि बहुभाषीय साहित्यिक समुदाय द्वारा अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर किया गया यह आयोजन स्तुत्य है.

मैं भारत एवं अन्य देशों से आए हिन्दी प्रेमियों-विद्वानों का इस सम्मलेन में स्वागत करता हूँ. यू.के.एवं यूरोप के अनेक महानुभावों ने हिन्दी साहित्य की सेवा कर इसके विकास में प्रसंशनीय योगदान दिया है. मैं आशा करता हूँ यह सम्मलेन यू.के. और यूरोप में हिन्दी के प्रचार-प्रसार में मील का पत्थर सिद्ध होगा.

इस सम्मलेन से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों, संस्थाओं एवं आयोजकों को बधाई देते हुए सम्मलेन की सफलता की कामना करता हूँ.

सी. गुरुराज राव
भारत के कौंसुल जेनरल
बर्मिंघम

Tel:0121-212 2778
Fax: 0121-212 2786
0121-212 3404
E-mail: cg.birmingham@mea.gov.in

श्रीमती कमला सिंघवी
Mrs. Kamla Singhvi

संदेश

मैं गीतांजलि बहुभाषीय साहित्यिक समुदाय एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं को बधाई देती हूँ, एक बार फिर बर्मिंघम में 'यू० के० क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन–2011' के सुन्दर आयोजन के लिये। मैं और मेरे पति स्वर्गीय डॉक्टर लक्ष्मीमल्ल सिंघवी गीतांजलि से 1995 से जुड़े रहे हैं। प्रारम्भ से ही यह संस्था बहुभाषिता को अपना आधार बना कर आगे बढ़ रही है और नए–नए कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है। मुझे पूरा–पूरा विश्वास है कि यह सम्मेलन भी अन्य सम्मेलनों की तरह सफल रहेगा और हिन्दी एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार–प्रसार में अहम भूमिका निभाएगा। मैं इसके आयोजकों को साधुवाद देती हुई सम्मेलन सफलता की कामना करती हूँ। श्री कृष्ण कुमार जी एवं उनके सहयोगियों का अथक श्रम एवं सराहनीय प्रयास है।

कमला सिंघवी

(कमला सिंघवी)
'कमलालय', बी–8,
साउथ एक्सटेंशन, पार्ट–2
नई दिल्ली–110049, भारत

बी - 8, साउथ एक्सटेंशन, भाग - 2, नई दिल्ली - 110049
B-8, South Extension Part-II, New Delhi-110049 INDIA
Tel : (00-91-11) 26253030, Fax : 26262266, E-mail : kamlasinghvi@gmail.com

Aston University

Professor Julia King
CBE FREng
Vice-Chancellor

Aston Triangle
Birmingham B4 7ET
United Kingdom

www.aston.ac.uk

Thank you for asking me to write for your souvenir being released to launch the prestigious UK Regional Hindi Sammelan-2011 taking place at Aston University. It is my very great pleasure to welcome all the scholars from different countries who have come to the Aston campus to discuss the role of Hindi, the main language of India, in the twenty-first century. Aston University is proud to be a partner in this very special event, and I am grateful to Professor Pawan Budhwar for making it happen.

The diversity of our staff and student community is one of the things that makes Aston special, and we are delighted to have many students from India studying in our different Schools and contributing to our aim of delivering a world-class education for global citizens. We already have strong relationships with India which we value very highly, and I believe that this joint venture will go a long way to developing and strengthening those partnerships further.

I congratulate the organisers of the Sammelan, and hope that you have a very successful conference. We look forward to hosting further events at Aston in the future; I can assure you that you will always receive a warm welcome.

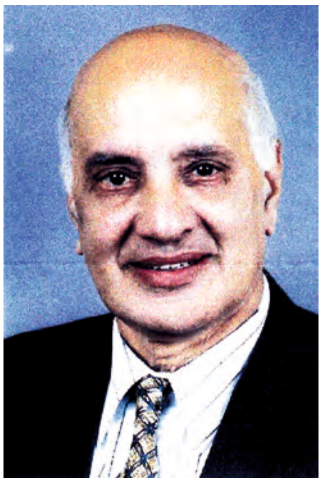

From LORD TARSEM KING OF WEST BROMWICH
House of Lords
London SW1A 0PW

MESSAGE

It gives me great pleasure to extend my best wishes and congratulations to all those involved in organising the UK Regional Hindi Conference 2011at Aston University,Birmingham.I greately admire the enormous contribution of Gitanjali Multilingual Literary Circle Birmingham in promoting Hindi and Indian culture throughout UK and the world.

I believe the `Language` is the life blood of culture and cultural heritage of a country. Hindi is the national language of India and a language of more than eight hundred million people. There can not be anything more important than to make every effort to secure Hindi its rightful place in the world order.

India is rapidly developing into a powerful economic nation. Therefore it is vital that its national language plays its due role in establishing international links. With over thousand million people of Indian origin living abroad, their national language is the key to these links.

I wish the conference all the success it deserves and look forward to attend and meet distinguished scholars and writers from UK, India, Europe and other countries.

Tarsem King

(The Lord King of West Bromwich)

MESSAGE

I would like to give my warmest congratulations to everyone associated with organising and participating in the UK Regional Hindi Conference 2011 at Aston University, Birmingham.

The UK Regional Hindi Conference is very important in creating greater recognition of the Hindi culture and language. This Hindi conference will be highly significant in promoting greater understanding and use of Hindi.
As a Hindi speaker myself I know the importance of your work and the value of Hindi in the modern world. It is important to teach the younger generation the value of the Hindi language.

With very best wishes for a successful Conference,

Virendra Sharma MP
Ealing Southall
Website:www.virendrasharma.com

आनन्द कुमार
अताशे (हिन्दी एवं संस्कृति)
दूरभाष 00-44-20-7632-3058

सत्यमेव जयते

भारत का हाई कमीशन
लन्दन
High Commission of India
India House, Aldwych
London WC2B 4NA

संदेश

मुझे बहुत खुशी है कि यू.के. क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन का आयोजन ब्रिटेन के मिडलैंड में आयोजित किया जा रहा है। वस्तुतः क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन की परिकल्पना सन 2002 से शुरू हुई और प्रथम संकल्पना के पश्चात् हंगरी, बुडापेस्ट में प्रथम क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन की कल्पना की गई। इससे पहले हिन्दी सम्मेलन सिर्फ विश्व हिन्दी सम्मेलन के रूप में होता रहा है।

हिन्दी आज विश्व में अनेक देशों में बोली और समझी जाती है। यू.के., यू एस ए, मारीशस, फीजी, सूरीनाम इत्यादि अनेक देश हैं जहाँ हिन्दी बोली और समझी जाती है। इन देशों में बसे भारतवंशी हिन्दी को बढावा दे रहे हैं। हिन्दी कवि सम्मेलनों और भारतीय फिल्म उद्योग ने हिन्दी प्रचार-प्रसार में बहुँत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

आज ब्रिटेन के अनेक ऐसे लेखक, कवि, साहित्यकार, पत्रकार, हैं जो अपने प्रयासों से हिन्दी को पल्लवित और पुष्पित किया है। यू.के. में बसे शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने हिन्दी भाषा के विकास में बहुँत ही योगदान दिया हैं। यू.के. में स्थापित हिन्दी संस्थाओं ने अनेक कार्यक्रमों के द्वारा हिन्दी भाषा के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा की हैं। इसके साथ ही साथ, भारतीय उच्चायोग अपने अनेक कार्यक्रमों जैसे क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन, विश्व हिन्दी सम्मान, कवि सम्मेलन, हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता, हिन्दी कार्यशाला, पुस्तक विमोचन, स्कालारशिप एवं इस तरह के अनेक कार्यक्रमों से हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार में योगदान दे रहा है।

उच्चायोग ने हमेशा सकारात्मक रूप से हिन्दी के क्षेत्र में सहयोग प्रदान किया है और भविष्य में भी करता रहेगा। आप हिन्दी प्रेमियों का सहयोग हमेशा ही मिलता रहा है और हमें आगे भी भविष्य में सहयोग मिलता रहेगा। हमारी युवा पीढी से यही अनुरोध है कि वो अपनी भाषा पर नाज करें क्योंकि कहावत है " निज भाषा उन्नति करें"।

सम्मेलन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ और मैं चाहूँगा आप सभी इस सम्मेलन से जुड कर आने वाले चुनौतियों का सामना करें और अपने भाषा और संस्कृति की गंगा को इसी तरह प्रवाहित होने दें ताकि इसका लाभ सभी जनमानस को मिल सके।

सम्मेलन की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

आनन्द कुमार

(आनन्द कुमार)

गीतांजलि बहुभाषी साहित्यिक समुदाय, बर्मिंघम

भारतीय उच्चायोग लंदन, प्रधान कौंसुलावास बर्मिंघम एवं नेहरू केन्द्र लंदन के संरक्षण में

सहयोगी संस्थाएं: गीतांजलि ट्रेंट, चौपाल, एच.सी.ए. वेल्स, सैंडवेल कनफेडेरेशन आफ इडियन्स, संत निरंकारी मडल यू.के, कथा यू.के., भारतीय भाषा संगम, नेशनल काउंसिल ऑफ हिंदू प्रीस्ट्स, संस्कृति यू.के., तथा डी.यू.टी.समिति नीदरलैंड

Chief Patron: HE Mr. Nalin Surie, High Commissioner of India, London

The Organising Committee

Chief Coordinator:
Mr. C.Gururaj Rao, CGI Birmingham

Advisers:
Lord Tarsem King
Prof. Nath Puri
Mrs. Neena Gill
Mr. Tony Deep Wouhra

Chair:
Mr. Harmohinder Bhatia "Upashak"

Co-Chair:
Dr. Krishna Kumar
Convenor:
Mr. Anand Kumar, HCI London
Co-Convenor:
Mr Tejinder Sharma
General Secretary:
Dr. Vandana Mukesh Sharma
Joint General Secretary:
Ms Deepti Sharma
Chair Academic:
Mr. M.K. Verma
Co-Chair Academic:
Mr. Aishwarj Kumar
Chair Finance:
Mr. Surendra Atri
Chair Culture:
Mrs. Swarn Talwar
Co-Chair Culture:
Mrs. Rama Joshi
Chair Hospitality:
Mr. K.B.L. Saxena
Co-Chair Hospitality:
Prof. Pawan Budhwar
Chair Welcome:
Mrs. Aruna Sabharwal
Chair Technical:
Dr. Sanjay Mansingh
Chair Fund Raising:
Dr. Keshav Singhal
Co-Chair Fund Raising:
Dr. Arun Trivedi
Chair Youth:
Mr. Partab Hirani
Co-Chair Youth:
Mr. Gurpreet Bhatia
Chair Media, Publicity:
Mrs. Padmaja, HCI London
Co-Chair Media, Publicity:
Dr. Krishna Kanhaiya
Chair Souvenir:
Mrs. Jai Verma
Co-Chair Souvenir:
Mrs. Kusum Tandan
Mrs. Chitra Kumar
Dr. Jugnu Mahajan
Culture Coordinator:
Mr. Gowri Shankar, Nehru Centre
European Co-ordinator:
Prof. Mohan Kant Gautam
Chair Volunteer:
Mr Surjit Dhami

सन्देश

हिन्दी विश्व के उस भूभाग की संपर्क भाषा है जहां से वैदिक संस्कृति की उत्पत्ति हुई और जो अध्यात्म-चिंतन के लिए जाना जाता है. जो वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करता हुआ सभी धर्मों का सम्मान करता है. ईश्वर का सभी प्राणियों में निवास है और वह सर्व व्यापी है. वह बिन पगु चलै सुनै बिनु काना है. वह देश हमारा भारत है.

मुझे इस बात की अपार प्रसन्नता है की बर्मिंघम में पहली बार भारतीय दूतावास के संरक्षण में यू.के. क्षेत्रीय हिन्दी सम्मलेन का आयोजन २४ से २६ जून तक किया जा रहा है. गीतांजलि बहुभाषीय साहित्यिक समुदाय द्वारा अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर किया गया
यह आयोजन सराहनीय है. पैंतालिस वर्षों के यू.के. निवास यह मैंने पहली बार देखा है कि हिन्दू, मुस्लिम,सिख, इसाई और अन्य सभी धर्मों के लोग इस कार्यक्रम की सफलता के लिए एक साथ दिन-रात लगे हैं.

बर्मिंघम के सबसे भव्य सभागार, ऐस्टन विश्वविद्यालय के ग्रेट हाल, में इस सम्मलेन का आयोजन सम्मलेन की सार्थकता को स्थापित करता है. भारत एवं अन्य देशों से आए विद्वानों का मैं इस सम्मलेन में स्वागत करता हूँ और आशा करता हूँ उनका समय अच्छा व्यतीत होगा. मैं यह भी आशा करता हूँ इस सम्मलेन के बाद हिन्दी के प्रचार-प्रसार में आ रही बाधाओं में कमी आएगी ताकि एक दिन यह विश्व भाषा बन सके. मैं आयोजन से जुडे सभी महानुभावों को बधाई देते हुए कार्य कारिणी की ओर से सम्मलेन की सफलता की कामना करता हूँ.

तमसो मा ज्योतिर्गमय

हरमोहिंदर भाटिया "उपाशक"
अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति

Nodal Officer : Mr Anand Kumar (Attache Hindi and Culture HCI London) 0750 1492576 E Mail : att.hindi@hcilondon.in
आधिकारिक पता: Dr. K. Kumar 21 Bideford Drive, Selly Oak, Birmingham, West Midlands B29 6QG, UK
Telephone: 0121-472-5464 , Mob: 07557 505170 , email: profdrkrishna@gmail.com

गीतांजलि बहुभाषी साहित्यिक समुदाय, बर्मिंघम

भारतीय उच्चायोग लंदन, प्रधान कौंसुलावास बर्मिंघम एवं नेहरू केन्द्र लंदन के संरक्षण में

सहयोगी संस्थाएं: गीतांजलि ट्रेंट, चौपाल, एच.सी.ए. वेल्स, सैंडवेल कनफेडेरेशन आफ इडियन्स, संत निरंकारी मडल यू.के, कथा यू.के., भारतीय भाषा संगम, नेशनल काउंसिल ऑफ हिंदू प्रीस्ट्स, संस्कृति यू.के., तथा डी.यू.टी.समिति नीदरलैंड

Chief Patron: HE Mr. Nalin Surie, High Commissioner of India, London

The Organising Committee

Chief Coordinator:
Mr. C.Gururaj Rao, CGI Birmingham

Advisers:
Lord Tarsem King
Prof. Nath Puri
Mrs. Neena Gill
Mr. Tony Deep Wouhra

Chair:
Mr. Harmohinder Bhatia "Upashak"

Co-Chair:
Dr. Krishna Kumar
Convenor:
Mr. Anand Kumar, HCI London
Co-Convenor:
Mr Tejinder Sharma
General Secretary:
Dr. Vandana Mukesh Sharma
Joint General Secretary:
Ms Deepti Sharma
Chair Academic:
Mr. M.K. Verma
Co-Chair Academic:
Mr. Aishwarj Kumar
Chair Finance:
Mr. Surendra Atri
Chair Culture:
Mrs. Swarn Talwar
Co-Chair Culture:
Mrs. Rama Joshi
Chair Hospitality:
Mr. K.B.L. Saxena
Co-Chair Hospitality:
Prof. Pawan Budhwar
Chair Welcome:
Mrs. Aruna Sabharwal
Chair Technical:
Dr. Sanjay Mansingh
Chair Fund Raising:
Dr. Keshav Singhal
Co-Chair Fund Raising:
Dr. Arun Trivedi
Chair Youth:
Mr. Partab Hirani
Co-Chair Youth:
Mr. Gurpreet Bhatia
Chair Media, Publicity:
Mrs. Padmaja, HCI London
Co-Chair Media, Publicity:
Dr. Krishna Kanhaiya
Chair Souvenir:
Mrs. Jai Verma
Co-Chair Souvenir:
Mrs. Kusum Tandan
Mrs. Chitra Kumar
Dr. Jugnu Mahajan
Culture Coordinator:
Mr. Gowri Shankar, Nehru Centre
European Co-ordinator:
Prof. Mohan Kant Gautam
Chair Volunteer:
Mr Surjit Dhami

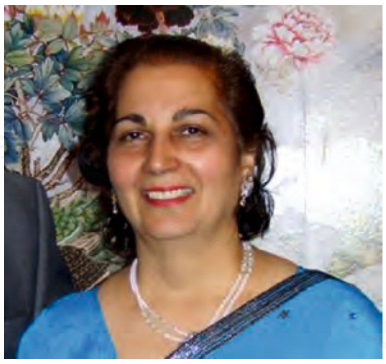

संदेश

हर्ष का विषय है कि त्रिदिवसीय यू.के. क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन 2011, भारत से बाहर बर्मिंघम की ऐस्टन यूनिवर्सिटी में पहली बार हो रहा है। यह भारतीय उच्चायोग लंदन, काउंसल जनरल बर्मिंघम, नेहरू सेंटर एवं यू.के. तथा यूरोप की संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किया गया है। ब्रिटेन में विभिन्न देशों के हिंदी विद्वान, बुद्धिजीवी एवं साहित्यकार एकत्रित होकर हिंदी की सारगर्भिता और उपयोगिता के बारे में विचार-विमर्श करेंगें। विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनाने में यह सम्मेलन सहायक होगा, मैं ऐसी आशा करती हूँ।

सम्मेलन स्मारिका के संपादन में मेरा साथ श्रीमति चित्रा कुमार, डा. जुगनू महाजन और श्रीमति कुसुम टंडन ने दिया, उनका मैं हार्दिक धन्यवाद करती हूँ। डा. कृष्ण कुमार, श्री आन्नद कुमार, प्रो. रवि महाजन, डा. महीपाल वर्मा एवं संरक्षकों के पथ प्रदर्शन के लिए आभार प्रगट करती हूँ। प्रतिष्ठानों, व्यवसाइयों, बैंकों और प्रकाशक के सहयोग के लिए धन्यवाद।

UKRHS-2011 स्मारिका संपादन की टीम की ओर से सब संस्थाओं के प्रशंसनीय सहयोग, आयोजकों की कर्मठता और उत्साह तथा क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन की सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं।

जय वर्मा

स्मारिका अध्यक्षा UKRHS-2011

Nodal Officer : Mr Anand Kumar (Attache Hindi and Culture HCI London) 0750 1492576 E Mail : att.hindi@hcilondon.in
आधिकारिक पता: Dr. K. Kumar 21 Bideford Drive, Selly Oak, Birmingham, West Midlands B29 6QG, UK
Telephone: 0121-472-5464 , Mob: 07557 505170 , email: profdrkrishna@gmail.com

विश्व में हिंदी की अवस्था और स्थिति

प्रो. कृष्णदत्त पालीवाल

भाषा से जुड़े प्रश्नों का कोई एक उत्तर नहीं होता। भाषा स्वयं भी अनेक प्रश्नों को जन्म देती हैं। इसलिए भाषा के बारे में कुछ भी कहना अपनी छाया को पकड़ने का प्रयास है। हम इस अर्थ में भाषा की छाया हैं कि हम अपना अस्तित्व, व्यक्तित्व, अस्मिता, इतिहास, काल चेतना, प्रकृति चेतना का यथार्थ भाषा में गढ़ते या निर्मित करते हैं। साहित्य और कला में भी हम अपने को भाषा में ही परिभाषित करते हैं। हम मनुष्य को कभी भी अन्तिम रूप में निर्मित माल की तरह स्वीकार नहीं कर सकते। मनुष्य अपने को पाने के लिए चाहने के लिए भाषा में प्रतीक गढ़ता है। इसी अर्थ में भाषा आत्म अन्वेषण का सबसे सक्षम माध्यम है – जिसमें हमारा आत्म बोध सम्पूर्णता का स्वप्न देखता है। किसी भी संस्कृति की पहचान उसके यथार्थ तक सीमित नहीं रहती, उसकी बनावट को भाषा तय करती है। संस्कृति को भाषा के शब्द बिंब प्रतीक, मिथक बहुत हद तक स्मृतियाँ निर्धारित करती हैं। शब्द में स्मृति की छाया का महत्व बहुत अधिक है। हमारा अतीत भाष के वर्तमान में बचा रहता है। समाज के सदस्य भाषा में हृदय-संवाद करते हैं। इस तरह वह वर्तमान में रहते हुए भी जीन अतीत की धड़कनों को जीते रहते हैं। आप कह सकते हैं कि अतीत अपने अदृश्य रूप में उनके वर्तमान में प्रवाहित होता रहता है। इसी शक्ति के कारण भाषा संस्कृति के साथ सप्रेषण का भी माध्यम होता है। उदाहरणार्थ भारत की भाषा और संस्कृति पर कितने ही ऐतिहासिक प्रहारों के घाव हो, उसकी देह कितनी ही क्षत-विक्षत हो लेकिन उसका सत्य और सातत्य परिवर्तन और प्रवाह उसमें बचा हुआ है। इसीलिए भारतीय भाषा – हिंदी के गंभीर प्रयोक्ता के लिए हिंदी – भाषा उसकी अस्मिता की अभिव्यक्ति हो जाती है।

हम भारतीयों के लिए यह कहना गलत नहीं है कि भाषा का धर्म के साथ अभिन्न सम्बन्ध है अर्थात् कोई धर्म विशेष किसी विशेष भाषा में ही व्यक्त किया जा सकता है। किसी हिन्दू से पूछने पर पता चलता है कि उसकी दृष्टि में हिंदू धर्म की भाषा संस्कृत है। इसलिए सभी मांगलिक अवसरों पर संस्कृत का प्रयोग होता है। मुसलमानों का विश्वास रहा है अरबी इस्लाम की भाषा है। इसी तरह प्रत्येक के अनुयायी किसी न किसी भाषा से अपना सम्बन्ध जोड़ लेते हैं और पूरी निष्ठा से उसका पालन और समर्थन करते हैं। किंतु तर्क की कसौटी पर सदैव यह धारणा न ग्राहय है न खरी।

भाषा का संस्कृति से अटूट बहुलार्थक रिश्ता है। भारत बहु-भाषिक, बहु-संस्कृति प्रधान देश है। वैसे भी संस्कृति की आज परिभाषा करना खतरे का काम है। हम कुछ कहना ही चाहे तो जन-समुदाय के विश्वासों, मूल्यों, परम्पराओं मिथकों-प्रतीकों और नाना प्रकार की जीवन परिस्थितियों के योग का नाम संस्कृति है। किसी भी संस्कृति को उसके जीवन स्वप्न स्मृतियाँ निर्धारित करती हैं। इस तरह संस्कृति स्मृतियों की छाया में पलती है। सच बात है कि संस्कृत तथा भारतीय भाषाओं में जातीय-स्मृतियों की विपुल सम्पदा के साथ ऐसी धारा प्रवाहित थी जिसमें अतीत बहकर वर्तमान को शक्ति देता था। हमारी राष्ट्रीयता, संत काव्य-धारा, महाकाव्य-चेतना, राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम में स्वीधीनता की भावना के बीच इसी शक्ति-चेतना में मौजूद थे। इस शक्ति-चेतना को मेकाले ने समझा था और कहा था कि "हम भारत में पश्चिमी संस्कृति का प्रभुत्व तब तक स्थापित नहीं कर पाएँगे जब तक भारतीय शिक्षा पद्धति से संस्कृत भाषा को पूरी तरह निष्कासित नहीं कर देते। " भारतीय दार्शनिक जिस "वैचारिक स्वराज " की बात करते थे – उसका गहरा सम्बन्ध भारत की भाषायी अस्मिता से जुड़ा होता था। हमारे जातीय-मिथक हमारी जातीय स्मृतियों को जगाते थे। हमने पाया कि भाषा, मिथक और स्मृति का एक-दूसरे से नाभि-नाल संबंध है।

प्रश्न उठता है कि हिंदी को हम विश्व-भाषा कैसे कह सकते हैं? क्या संयुक्त राष्ट्र में मान्य भाषाओं को ही हम विश्व-भाषा मानें। प्रश्न है कि जर्मन, लैटिन और जापानी जैसी भाषाएँ अपनी तमाम क्षमताओं सम्भावनाओं के होने पर भी विश्व-भाषा क्यों नहीं बन सकीं? ये भाषाएँ संयुक्त राष्ट्र में मान्य नहीं हुईं। इसका प्रधान कारण यह भी था कि ये पराजित राष्ट्रों की भाषाएँ थीं ये देश द्वितीय विश्वयुद्ध में हारे। देखा जाए तो पाँच भाषाएँ संयुक्त राष्ट्र में मान्य हुई - अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीनी। ये पाँचों विजयी राष्ट्रों की राजभाषाएँ थीं। स्पेनिश भाषा वाले अमेरिका के साथ थे फलतः लातीनी अमेरिका की भाषा मान्य हो गई। संसार में बीस-बाईस अरब देशों का इतिहास साक्षी है कि जब इनके पास दौलत का भंडार बढ़ा तो इनकी भाषा भी प्रतिष्ठित होकर मान्य हो गई। जो भाषाएँ संयुक्त राष्ट्र में मान्य हुईं वे ही विश्व की सर्वश्रेष्ठ भाषाएँ हों - और जो भाषाएँ वहाँ मान्य नहीं हुईं वे कमतर भाषाएँ हैं। वैसे हुआ यह कि जिन राष्ट्रों के पास धन-बल था उनकी भाषा इस विश्व-संस्थ की भाषा बन गई। हमें याद है कि 1945 में जब संयुक्त राष्ट्र बना - तब भारत पराधीन था। इस पराधीनता से पीड़ित राष्ट्र की भाषा - हिंदी को संयुक्त राष्ट्र में कैसे मान्यता मिलती? जबकि हिंदी में विश्व भाषा बनने की क्षमताएँ और सम्भवनाएँ तब भी कम न थीं। लम्बे समय के बाद 2003 में सूरीनाम में होने वाले विश्व हिंदी सम्मेलन में यह प्रस्ताव पास हुआ। फिर 10 जनवरी, 1975 में नागपुर के विश्व हिंदी सम्मेलन में पारित हुआ, किंतु इस पर अमल नहीं हुआ। शायद प्रश्न यह रहा कि जो भाषा अपने ही देश में असमान्य-अप्रतिष्ठित है वह भारत की भाषा विश्व भाषा कैसे हो सकती है। भारत की राज-भाषा क्या हिंदी है? क्या यह संवैधानिक झूठ का फरेब नहीं है।

हमारे अपने ही नौकरशाह न हिन्दी बोलते हैं न लिखते हैं न पढ़ते हैं। वे सब अनुवाद की जूठन पर पलेंगे क्या? जिनके हम गुलाम रहे उनकी भाषा को हटाकर अपनी भाषा को लाने की हिम्मत हम में शेष बची है क्या? क्या यह शर्म की बात नहीं है कि हमारे प्रधान मंत्री, मंत्री और उनके प्रतिनिधियों के भाषण अंग्रेजी में लिखे जाएँ और उनका हिन्दी अनुवाद पढ़ा जाएँ। इस ढोंग का क्या हल है? हल क्या यह राष्ट्रीय स्वाभिमान की गरिमा को नष्ट करना है।
मैं मानता हूँ कि संयुक्तराष्ट्र में हिन्दी के प्रतिष्ठित होने का अर्थ है भारत में हिन्दी का सम्मान बढ़ेगा, भारतीय भाषाओं में हिन्दी का संबंध बढ़ेगा। सभी भारतीय जानते हैं कि एक ही भाषा को अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा सकता है। गांधीजी मानते थे कि वह भाषा हिन्दी ही हो सकती है। हिन्दी ही भारत की बीस भाषाओं-क्षेत्रीय भाषाओं को सम्मान और शक्ति दे सकती है। अहिन्दी भाषियों में भी अब हिन्दी के विरोध का शमन हुआ है और वे हिन्दी से सहयोग की स्थिति में है। हिन्दी संयुक्त राष्ट्र में मान्य होगी तो फीजी, मारीशस, सूरीनाम, गियाना आदि दुनिया के आधा दर्जन देशों में हिन्दी भाषी बहुसंख्या में है। वहाँ हिन्दी पुनः जीवित होकर नयी शक्ति प्राप्त करेगी। कहना न होगा कि हिन्दी का संसार बहुत बढ़ा है- उसकी शब्द सम्पदा अपार हैं- उसके पास समृद्ध साहित्य की अटूट परम्परा हैं बड़ी सभ्यता समीक्षा दृष्टि है, नए शब्दों के निर्मिति में हिन्दी की क्षमता आश्चर्यजनक हैं ओर शब्दों के पर्यायों की भरमार है। हिन्दी में शब्दों की अपार सम्पदा को संस्कृत ने दिया है। लगभग दो हजार धातुएँ हैं ओर सत्य को पाणिनि ने भी उजागर किया है। एक धातु से अनेक तत्व बनाये जा सकते हैं- प्रत्यय, उपसर्ग, वचन, विभक्तियाँ लगाकर। संस्कृत ही हिन्दी की माता है और माता के पास अपार सम्पदा का भंडार है। विद्वान कहते हैं कि अंग्रेजी थुनकियों पर टिकी भाषा है यदि उसमें से ग्रीक, लैटिन, फ्रेंच, जर्मन और हिन्दी आदि भाषाओं के शब्द निकाल दिए जाएँ तो उसके शब्दकोश में दरिद्रता ही बचेगी। लेकिन हमारे पास संस्कृत की अकूत पूँजी हैं। आजादी के बाद हम महत्वपूर्ण शब्दकोष इसलिए नहीं बना सके कि हमारी सरकारों ने उधर ध्यान ही नहीं दिया। सरकारें जान ही नहीं सकी कि समाज-संस्कृति के निर्माण में भाषा की भूमिका क्या है।

राजनीति विज्ञान के पंडित वेद प्रताप वैदिक ने भारी शोध इस क्षेत्र में किया है। उनके शोध का निष्कर्ष है "हिन्दी बोलने वालों की संख्या चीनी बोलने वालों की संख्या से भी अधिक है। यह कागज की लेखी नहीं है, आँखिन की देखी है। विश्व जनसंख्या के स्रोत ग्रंथ कहते हैं कि चीनी भाषियों की संख्या लगभग 80 करोड़ है लेकिन आप जरा चीन जाकर देखें, परखें इस दावे को। मैं इधर पाँच-छह बार चीन जा युका हूँ। चीन की भाषा को 'मेंडारिन' (मंदारिन) कहते हैं। सभी चीनी मेंडारिन नहीं बोलते। जो भाषा पेइचिंग में बोली जाती है, वह शांघाई में नहीं बोली जाती और जो केन्टन में बोली जाती है वह नानचिंग में नहीं बोली जाती। लेकिन जो हिन्दी कश्मीर में बोली जाती है वही कन्याकुमारी में भी बोली जाती है। हिन्दी के मुकाबले अंग्रेजी इसलिए विश्वभाषा बनी हुई है कि वह महाप्रभुओं की भाषा है, महाशक्तियों की भाषा है, पूर्व-गुलाम देशों के सत्ताधारियों की भाषा है।" (हिन्दी कैसे बने विश्व भाषा-लेख) जब तक हिन्दी अंग्रेजी की गुलामी से मुक्त नहीं होती तब तक वह विश्व भाषा का सम्मान कैसे पा सकती है और क्यों? हिन्दी को लेकर जो राह महात्मागांधी और डॉ0 राम मनोहर लोहिया ने की थी उसे फिर से पूरी ताकत के साथ बढ़ाने की जरूरत है।

मैंने कुछ वर्ष पहले डॉ0 जयन्ती प्रसाद नौटियाल का शोधपूर्ण लेख 'प्रवासी संसार' 26 जुलाई-सितम्बर 2006 के अंक में पढ़ा था (जिसे उस पत्रिका के सम्पादक राकेश कुमार शर्मा ने उपलब्ध कराया था) उस लेख का शीर्षक है 'भाषा शोध अध्ययन 2005 विश्व में हिन्दी पहले स्थान पर'। इस लेख का आरम्भ इस प्रकार से हुआ था कि "वर्ष 2004 तक की जनसंख्या के आँकड़ों को लेकर किए गए अध्ययन के परिणामस्वरूप भाषा शोध अध्ययन 2005 ने यह सिद्ध कर दिया था कि विश्व में हिन्दी जानने वाले प्रथम स्थान पर हैं तथा मंदारिन भाषा (चीनी भाषा) दूसरे स्थान पर है। मैंने सर्वप्रथम 1981 में विश्व जनसंख्या के आधार पर भाषा भाषियों की दृष्टि से शोध-अध्ययन किया था। उस समय यह तथ्य उभर कर सामने आया कि विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा हिन्दी है न कि मन्दारिन, जबकि प्रायः विदेशी भाषाविदों द्वारा यह प्रचारित किया जाता है कि मंदारिन अर्थात् चीनी भाषा विश्व में सर्वाधिक बोली जाती है। अतः वर्ष 1999 में पुनः भाषा-भाषियों की दृष्टि से मैंने भी विभिन्न स्रोतों से हिन्दी व चीनी भाषा के आँकड़े एकत्र किए। आश्चर्य की बात यह थी कि इस बार भी हिन्दी पहले स्थान पर रही व मंदारिन दूसरे स्थान पर। " चीन में इसे बोलने

वालों की संख्या 780 मिलियन से अधिक नहीं है। इसी तरह से हिन्दी के आँकड़े लें तो हिन्दी जानने वाले भारत सहित विश्व में 1022 मिलियन हैं, फिर चीनी भाषा पहले स्थान पर कैसे? जबकि चीनी भाषा (मंदारिन) बोलने वालों की संख्या 900 मिलियन है। डॉ0 नौटियाल ने हिन्दी की संख्या पर विचार करते हुए बुद्धिमानी का परिचय इस विचार को लेकर दिया है कि हिन्दी भाषा में उर्दू शामिल है, उर्दू अलग से कोई भाषा नहीं है; बल्कि हिन्दी का एक रूप है।

मैं यह भी मानता हूँ कि जैसे-जैसे भूमंडलीकरण तथा बाजारवाद, संचार क्रंति और विज्ञापनवाद बढ़ेगा वैसे-वैसे हिन्दी भी बढ़ेगी। हम तो गुलामी की मानसिकता के लोग हैं- अब 'ग्लोबलाइजेशन' और बाजारवाद के पीछे 'क्रेजी' होकर भाग रहे हैं। हमें भी पता है कि यदि फ्रांसीसी, जर्मन आदि को अपना माल भारत में बेचना है तो अंग्रेजी से काम न चलेगा। विवश होकर हिन्दी तथा भारतीय भाषाओं के जरिए माल बेचना पड़ेगा। परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि समाचार पत्रों, दृश्य मीडिया, रेडियो विज्ञापन, होर्डिंग, सामाजिक राजनीतिक पोस्टरों,सरकारी एवं निजी कार्यालयों, हिन्दी संस्थानों, विश्वविद्यालयों के हिन्दी विभागों, हिन्दी फिल्मों, मेलों तमाशों या नाटकों के कारण हिन्दी अपने विविध रूपों में नए सौन्दर्य को धारण कर रही है। आज हिन्दी ने विश्व भाषा बनने के लिए अपने सभी क्षेत्रों को समृद्ध कर लिया है।

हमारे राष्ट्रनायक, हिन्दी और हम

जौन देस की है रही भासा ही परतंत्र
तौन देस की होहिगी कैसे परजा स्वतंत्र
मानस भवन में आर्यजन जिनकी उतारें आरती
भगवान् भारतवर्ष में गूंजे हमारी भारती
मैथली शरण गुप्त

"देवनागरी किसी भी लिपि की तुलना में वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित लिपि है."
सर विलियम जोन्स

"भाषा हमारे सोचने के तरीके को स्वरुप प्रदान करती है और निर्धारित करती है कि हम क्या कर सकते हैं."- बेंजामिन होरफ

"देश को संपर्क भाषा की आवश्यकता होती है, और यह (भारत में) केवल हिन्दी हो सकती है ." - इंदिरा गांधी

"हिन्दी के द्वारा ही सारे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है. "- स्वामी विवेकानंद

"देश के सबसे बड़े भूभाग में बोली जाने वाली हिन्दी ही राष्ट्रभाषा पद की अधिकारिणी है."- सुभाष चन्द्र बोस

"मेरे देश में हिन्दी की इज्ज़त न हो, यह मैं नहीं सह सकता हूँ ." - विनोवा भावे

"अगर हिन्दुस्तान को हमें एक राष्ट्र बनाना है तो राष्ट्रभाषा हिन्दी ही हो सकती है."- गांधी जी

"हिन्दी एक जानदार भाषा है. वोह जितना बढ़ेगी देश को उतना ही लाभ होगा."- जवाहर लाल नेहरू

"राष्ट्रभाषा के बिना आज़ादी बेकार है."- अवनींद्र विद्यालंकार

"विदेशी भाषा को किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना दासता की निशानी है."- वाल्टर चैनिंग

"हिन्दी सबको सीखनी चाहिए. इसके द्वारा भाव विनिमय से सारे भारत को सुविधा होगी."-राजगोपाला चारी

"हिन्दी देश के सबसे बड़े हिस्से में बोली जाती है. हमें इस भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करना ही चाहिए."-रवीद्रनाथ टैगोर

"साहित्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना ही नहीं है परन्तु एक नया वातावरण देना भी है."- सर्वपल्ली राधा कृष्णन

निज भाषा उन्नति अहै
सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा ज्ञान के
मिटै न हिय को सूल
हरिश्चंद्र

जो निज भाषा भेस को करै नहीं सनमान
तासु देस की जायगी कुल की रीति सान
कविन्द्र हरनाथ

"सच्चे साहित्य का निर्माण एकांत चिंतन और एकांत साधना में होता है." - अनंत गोपाल शेवड़े

"हिन्दी को होड़ किसी भाषा से नहीं केवल अंग्रेज़ी के साथ है."- राजेन्द्र प्रसाद

"हिन्दी देश की एकता की कड़ी है." - ज़ाकिर हुसैन

कथा यू.के. ब्रिटिश संसद में

(बाएं से बैरी गार्डिनर (संसद सदस्य), काउंसलर ज़कीया ज़ुबैरी, हृषिकेश सुलभ, महामहिम नलिन सूरी (उच्चायुक्त), दीप्ति शर्मा (उपसचिव कथा यू.के.), वीरेन्द्र शर्मा (संसद सदस्य)

कथा यू.के. ने ब्रिटेन में अपनी गतिविधियां 1999 में शुरू कीं। पहला कार्यक्रम था कथागोष्ठी जिसमें भारतेंदु विमल ने अपने उपन्यास के अंश का पाठ किया और संस्था के महासचिव तेजेन्द्र शर्मा ने अपनी कहानी चरमराहट का पाठ किया। इस पहली गोष्ठी में ही श्री कैलाश बुधवार सपत्नीक शामिल हुए थे। और तब से आज तक उन्होंने हमारे प्रत्येक कार्यक्रम में शिरक़त की है। और इसी वर्ष उन्होंने कथा यू.के. का अध्यक्ष पद स्वीकार कर हमें गौरवान्वित किया है।

कथा यू.के. प्रति वर्ष अंर्तराष्ट्रीय इंदु शर्मा कथा सम्मान एवं पद्मानंद साहित्य सम्मान का आयोजन करती है। इंदु शर्मा कथा सम्मान के तहत विश्व भर लिखे जा रहे कथा साहित्य में से श्रेष्ठ साहित्य का चयन किया जाता है। सम्मान विजेता को उसके शहर से ब्रिटेन तक का हवाई यात्रा का टिकट, वीज़ा शुल्क, लंदन में एक सप्ताह रहने कि सुविधा और यहां के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल दिखाने का प्रावधान रहता है। यह कार्यक्रम ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स या हाउस ऑफ़ कॉमन्स में हर साल आयोजित किया जाता है। अभी तक भारत से ब्रिटेन आने वाले साहित्यकारों में शामिल हैं चित्रा मुद्गल, संजीव, एस. आर. हरनोट, ज्ञान चतुर्वेदी, विभूति नारायण राय, प्रमोद कुमार तिवारी, असग़र वजाहत, महुआ माजी, नासिरा शर्मा, भगवान दास मोरवाल एवं हृषिकेश सुलभ। वर्ष 2011 के लिये पटना निवासी श्री विकास कुमार झा के उपन्यास मैकलुस्कीगंज का चयन किया गया है।

पद्मानंद साहित्य सम्मान की शुरूआत वर्ष 2000 से की गई। इस सम्मान के लिये कोई विधा निश्चित नहीं की गई। यह सम्मान ब्रिटेन में रचे जा रहे हिन्दी साहित्य के लिये शुरू किया गया। पद्मानंद साहित्य सम्मान विजेताओं की सूचि में सत्येन्द्र श्रीवास्तव, दिव्या माथुर, भारतेंदु विमल, नरेश भारतीय, उषा राजे सक्सेना, अचला शर्मा, गोविन्द शर्मा, गौतम सचदेव, उषा वर्मा, मोहन राणा, महेन्द्र दवेसर, एवं कादम्बरी मेहरा का नाम शामिल है। वर्ष 2011 के लिये यह सम्मान लेस्टर की नीना पॉल को उनके उपन्यास तलाश के लिये दिया जा रहा है।

कथा यू.के. ने ब्रिटेन की अन्य संस्थाओं के साथ मिल कर बहुत से कार्यक्रमों का आयोजन किया है। गीतांजलि बहुभाषीय समुदाय बर्मिंघम एवं नॉटिंघम व यू.के. हिन्दी समिति, लंदन के साथ बहुत से कार्यक्रम साझा किये।

भारतीय उच्चायोग एवं नेहरू सेंटर से कथा यू.के. को सदा ही सहयोग मिलता रहा है। प्रद्योत हलदर, राजतवा बागची, एवं आसिफ़ इब्राहिम साहब ने सदा ही कथा यू.के. को मार्गदर्शन दिया है। अनिल शर्मा, राकेश दुबे और अब आनंद कुमार जी का सहयोग हमें प्राप्त है। उच्चायुक्त महामहिम श्री नलिन सूरी एवं उप-उच्चायुक्त श्री राजेश एन प्रसाद भी निजि रूप से हमारे काम में रुचि लेते हैं।

कथा यू.के. ने लंदन, बर्मिंघम, वेल्स, कहानी गोष्ठियों का आयोजन किया। यह गोष्ठियां किसी किराये के हॉल में ना आयोजित कर, मित्रों के घरों में की जाती हैं ताकि हिन्दी को घर घर तक पहुंचाया जा सके। इसमें हिन्दी के भारतेन्दु विमल, गौतम सचदेव, दिव्या माथुर, उषा वर्मा, उषा राजे सक्सेना, शैल अग्रवाल, महेन्द्र दवेसर, कादम्बरी मेहरा, नीना पॉल, सुषम बेदी (अमरीका) आदि के साथ साथ सफ़िया सिद्दीकि (उर्दू), नजमा उस्मान (उर्दू) एवं के.सी.मोहन (पंजाबी) ने भी भाग लिया है।

हाल ही में कथा यू.के. ने डी.ए.वी. गर्ल्ज़ कॉलेज यमुना नगर के साथ मिल कर तीन दिवसीय प्रवासी सम्मेलन का आयोजन किया जिस में भारत, अमरीका, कनाडा. ब्रिटेन, एवं खाड़ी देशों के लेखकों ने भाग लिया। कथा यूके ने कनाडा के शहर टोरोंटो में भी कहानी कार्यशाला का आयोजन किया। इस साल सितम्बर माह में कथा यू.के. अमरीका में कहानी कार्यशाला की योजना बना रही है।

शुभकामनाएँ

यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई कि भारतीय उच्चायोग-लंदन, भारत का काउँसलेट जनरल- बर्मिंघम, नेहरू सेंटर तथा यू.के. एवं यूरोप के संस्थाओ के सहयोग से **गीतांजलि बहुभाषीय समुदाय**, 'क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन.' आयोजित कर रही है। शत-शत बधाई! प्रसन्नता की बात यह है कि 1995 से गीतांजलि बहुभाषीय समुदाय यू.के. हिंदी समिति द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में सहभागी रही है. हमें इस बात का गर्व है.

यू.के हिंदी समिति तथा पत्रिका पुरवाई आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करती है.

उषा राजे सक्सेना
उपाध्यक्ष हिंदी समिति
सह-संपादक 'पुरवाई'

गीतांजलि ट्रेंट 2003 में स्थापित हुई। यह संस्था कविता, सांस्कृतिक प्रोग्राम, हिंदी एवं अन्य सब भाषाओं का सम्मान करती है। हमने साहित्यिक सम्मेलन, चैरीटी प्रोग्राम जैसे सुनामी रिलीफ के लिए कवि सम्मेलन किया। इस वर्ष श्री एवं श्रीमति अशोक चक्रधर के साथ हास्य कवि सम्मेलन सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। कुछ गीतांजलि ट्रेंट के सदस्यों को विश्व में कई स्थानों पर सम्मान प्राप्त हुए हैं। सदस्यों की कविताएं, उपन्यास और कहानियां देश विदेश की विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं।

जुगनू महाजन
सचिव गीतांजलि ट्रेंट

यू. के. क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन-2011

UK REGIONAL HINDI CONFERENCE - 2011

Birmingham 24-26 June 2011

Venue: Great Hall of the Aston University, King Edward VI House, 1 Aston Street, Eastside, Birmingham B4 7ET, Tel: 0121 359 3611

कार्यक्रम

PROGRAMME

Thursday, 23 June 2011			
-	पंजीकृत प्रतिनिधियों का आगमन और होटल में चेक इन		
Friday, 24 June 2011			
0900 hrs	चाय		
0930-1030 hrs	पंजीकरण		
1100 hrs	समारोह का उदघाटन – महामहिम श्री नलिन सूरी, भारतीय उच्चायुक्त यू.के सोविनियर तथा समारोह पत्रिका का विमोचन।		
1215-1300 hrs	हिंदी की दशा और दिशा - बीज वक्तव्य -प्रो. के.डी. पालीवाल, दिल्ली विश्वविद्यालय।		
1300-1400 hrs	दोपहर का भोजन		
1400-1530 hrs	**सत्र** - 1 विश्व में हिंदी की दशा और दिशा - **अध्यक्षता** - श्री महेन्द्र वर्मा, हस्तक्षेप-डा वंदना मुकेश शर्मा		
	1.	श्री जनार्दन अग्रवाल - **दीपक तले अंधेरा**	**1400 बजे**
	2.	श्रीमती कादम्बरी मेहरा- वैश्विक हिंदी साहित्य और हमारा भारत	**1415 बजे**
	3.	श्री ऐश्वर्ज कुमार - **बने चट्टान हिंदी, दीवार नहीं चर्चा**	**1430 बजे**
	4.	श्रीमती जय वर्मा–ब्रिटेन में हिंदी सारभूत	**1445 बजे**
		चर्चा	**1500 बजे**
1530-1545 hrs	चाय		
1545-1700 hrs	**सत्र** - 2 हिंदी एवं भारतीय संस्कृति - युवा पीढ़ी के परिपेक्ष्य में । **अध्यक्ष** - श्री आसिफ़ इब्राहीम मंत्री(समन्वय) **हस्तक्षेप** – श्रीमति सरोज श्रीवास्तव		
	1.	श्री गगन शर्मा, भारत एक विश्व रूपी परिवार का हिस्सा	**1600 बजे**
	2.	श्री ज्ञानसिंह मान - **हिंदी भाषा एवं भारतीय संस्कृति (इक्कीसवीं सदी के युवा वर्ग के संदर्भ में)**	**1630 बजे**

		चर्चा	1645 बजे
1830-2030 hrs	**सांस्कृतिक कार्यक्रम-1:** **उद्घाटन** - श्रीमती मोनिका मोहत्ता, निदेशक, नेहरू केन्द्र, लंदन **हिंदी और भोजपुरी लोकगीत। कलाकार** - श्रीमती विजय भारती एवं श्री ओंकारेश्वर पाण्डेय (भारत से) **स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति** - आयुषी जैन,अलीशा भटनागर,वनुयाचेलवनाथन, थनुजा,शेरन जैकब,नीतू शर्मा,अगषजा वेथरनियम,दिव्या शर्मा,जैसिका सेनिहा , विभाती भाटिया,शिखा मेकार्थी,गुरप्रीत भाटिया, **प्रस्तुति** - श्रीमती स्वर्ण तलवाड एवं ऱमा जोशी		
2030hrs	रात्रि भोजन		

Saturday, 25 June 2011

0900 hrs	चाय		
0930-1045 hrs	**सत्र** - 3 हिंदी की वैश्विकता एवं हिंदी लिपि **अध्यक्षता** - डा कृष्ण दत्त पालीवाल **हस्तक्षेप** - प्रो मोहन कांत गौतम		
	1.	बीज वक्तव्य-श्री परमानंद पांचाल, **विश्व की सर्वोत्तम लिपि, देवनागरी लिपि**	0930 बजे
	2.	श्री वेद मित्र – **भाषा में शुद्ध वर्तनी और उच्चारण का महत्व**	1000 बजे
		चर्चा	1015 बजे
1045-1100 hrs	चाय		
1100-1300 hrs	**सत्र** - **4** हिंदी भाषा के शिक्षण की समस्याएं और चुनौतियां सत्र की अध्यक्षता:फेंचस्का ओरसिनी हस्तक्षेप- श्री ऐश्वर्ज कुमार		
		श्री महेन्द्र वर्मा **–**बीज वक्तव्य-ब्रिटेन में हिंदी अध्ययन और अध्ययापन के कुछ पहलू	1100 बजे
	1.	लुदमीला खोखलोवा, बोरिस जाखारीन, मास्को विश्वविद्यालय में हिंदी पढ़ाने का अनुभव (रूस)	1130 बजे
	2.	येकातेरीना पानिमा, हिन्दी के अध्ययन की विधियाँ – शब्दावली और शब्दरचना, (रूस)	1145 बजे
	3.	अर्चना पैन्यूली, हिन्दी शिक्षण की समस्यायें और हिन्दी अध्यापकों की योजना, समस्या व समाधान (डेनमार्क)	1200बजे
	4.	डॉ० गेनादी श्लोम्पेर, ब्रू भाषा भाषी छात्रों को हिंदी पढ़ाने की समस्याएं और उनका समाधान, (इज़रायल)	1215 बजे
	5.	डा. श्रीराम परिहार – हिंदी शिक्षण और प्रशिक्षण की समस्याएं, चुनौतियां एवं समाधान	1230 बजे
		चर्चा	1245 बजे
1300-1400 hrs	दोपहर का भोजन		
1400-1530 hrs	**सत्र-5** - यू.के. में हिंदी शिक्षण की समस्याएं और चुनौतियां। **अध्यक्षता** - प्रो श्याम मनोहर पाण्डेय **हस्तक्षेप** - श्री राकेश दूबे		

	1.	श्रीमती वंदना मुकेश – हिंदी शिक्षण एवं प्रशिक्षण में समस्याएँ - चुनौतियाँ एवं समाधान, (यू.के.)	1400 बजे
	2.	डा. कविता वाचक्नवी, हिंदी कम्प्यूटिंग : उपलब्धि और चुनौतियाँ	1415 बजे
	3.	श्री मोहनकांत गौतम, हॉलैण्ड में भारतवंशियों की नई पीढ़ी हिंदी और हिंदी की संस्कृति	1430 बजे
	4.	फ्रेंचेस्का ओरिसीनी:उच्च शिक्षा में वेब प्रयोग	1445 बजे
		चर्चा	1500 बजे
1530-1545 hrs	चाय		
1545-1715 hrs	**सत्र - 6** विषय-हिंदी के प्रचार प्रसार में प्रवासियों का योगदान **अध्यक्षता** - प्रो श्रीश जसवाल हस्तक्षेप-लुदमीला खोखोवा		
	1.	श्रीमती उषा राजे सक्सेना, ब्रिटिश हिंदी साहित्य के 30 वर्ष और प्रथम हिंदी कहानी	1545 बजे
	2.	श्री राकेश दुबे, हिंदी और प्रवासी भारतवंशी	1600 बजे
	3.	श्रीमती पुष्पा सिंह विसेन, विश्व में हिंदी की दशा एवं प्रवासी योगदान	1615 बजे
	4.	श्रीमती शिखा वार्ष्णेय, हिंदी के उत्थान में वेब पत्रकारिता का योगदान	1630 बजे
		चर्चा	1645 बजे
1830-2030 hrs	**सांस्कृतिक कार्यक्रम -2– कविता पाठ** **उद्घाटन-श्री गुरूराज राव ,सी जी बर्मिंघम** **अध्यक्षता-श्री केशरी नाथ त्रिपाठी** संचालन: डा.वंदना मुकेश शर्मा **भारत के कवि** - श्री केशरी नाथ त्रिपाठी,श्रीमती विजया भारती,श्री ओंकारेश्वर पाण्डेय,डा पुष्पा सिंह विशेन, वर्तिका नंदा **यू के के कवि** - श्री सोहन राही,.श्री राम शर्मा मीत , श्रीमती नीना पाल श्रीमती श्यामा कुमार, श्री नरेन्द्र ग्रोवर, डा कृष्ण कन्हैया **प्रस्तुति** - श्रीमती स्वर्ण तलवाड एवं रमा जोशी संचालन-डा वंदना मुकेश शर्मा		
2030 hrs	रात्रि भोजन		

Sunday, 26 June 2011

0900 hrs	चाय		
0930-1045 hrs	**सत्र -7** विषय-तृतीय एवं चतुर्थ भाषा के रूप में हिंदी **अध्यक्षता** - श्री विकास कुमार झा **हस्तक्षेप – श्री** आनन्द कुमार		
		श्री श्रीश जैसवाल विषय - विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण: कुछ आयाम	0930 बजे
		श्रीमती चित्रा कुमार एवं श्री ऐश्वर्ज कुमार, दूसरी भाषा के रूप में हिंदी	1000 बजे
		चर्चा	1015 बजे

1045-1100 hrs	चाय
1100-1300 hrs	**विषय-** हिंदी एवं भारतीय संस्कृति युवा पीढी के परिपेक्ष्य में-संवाद **अध्यक्षता –** कैलास बुधवार हस्तक्षेप-डा कृष्ण कुमार **संवाद मंडल-** डा परमानंद पांचाल श्री गगन शर्मा, बोरिस जाकरिन, मोहन कांत गौतम, गौतम सचदेव, परताब हीरानी
1300-1400 hrs	Lunch
1400-1530 hrs	Brain storming Closing session and passing of Resolutions
1530-1700 hrs	Closing and award ceremony by the Deputy High Commissioner of India, London Mr. Rajesh N. Prasad
1700 hrs	Farewell Reception समापन

Note:
i Each Keynote address will be for 30 minutes except the inaugural one
ii Each presentation will be for 15 minutes
iii BOOK EXHIBITION BY PUBLISHERS THE WHOLE DAY - 24-26 June 2011

Itesh Sachdev

Professor of Language and Communication
Director, SOAS-UCL Centre of Excellence for 'Languages of the Wider World'
School of Oriental & African Studies, University of London,

In the era of globalisation much is written about the spread of English across the world. Hindi, a top 5 language of the world in terms of number of speakers, has received little attention in spite of the increasing economic power of India in the world. It could be argued that there are greater-than-ever opportunities for Hindi, as a consequence of increased migration (to and from India) and also due to the advances in information technology. Of course, there are also challenges. In my capacity as SOAS-UCL Director of the Centre for Excellence in 'Languages of the Wider World', I am delighted to see this conference tackling these issues with a programme that is of high quality and very interesting. I wish you all a most productive and fun-filled time, and look forward to the outcome of your deliberations.

UK Regional Hindi Sammelan-2011 (UKRHS-2011)

Date: 24th to 26th June 2011

Chief Patron- HE MR. Nalin Surie
High Commissioner of India, UK

The Organising Committee

Chief Coordinator - Mr Gururaj Rao
Consul General, CGI, Birmingham

Nodal Officer- Mr. Anand Kumar - High Commission of India, London

Position	Names	Tel No.	Email
Chair	Mr. Harmohinder Bhatia "Upashak"	07971888173	upasak@hotmail.com
Co-Chair	Dr. Krishna Kumar	07557505170 01214725464	profdrkrishna@googlemail.com
Convenor	Mr. Anand Kumar, HCI	07501492576	att.hindi@hcilondon.in
Co Convenor	Mr Tejender Sharma	07400313433	kahanikar@gmail.com
General Secretary	Dr. Vandana Mukesh Sharma	07886777418	vandanamsharma@yahoo.co.uk
Joint General Secretary	Ms Deepti Sharma	07500223225	Deeptikumar11@googlemail.com
Chair Academic	Prof. M.K. Verma	07588242419	mkv1@york.ac.uk
Co-Chair Academic	Prof. Aishwarj Kumar	07982489255	Ak403@cam.ac.uk
Chair Finance	Mr. Surendra Atri	01384378761	suren10atri@yahoo.co.uk
Chair Culture	Mrs. Swarn Talwar	01217775603	ktalwar2@talktalk.net
Co-Chair Culture	Mrs. Rama Joshi	01214492235	rj08@btinternet.com
Chair Hospitality	Mr. K.B.L. Saxena	07738760764	kblsaxena@gmail.com
Co-Chair Hospitality	Prof. Pawan Budhwar	07951079860	p.s.budhwar@aston.ac.uk
Chair Welcome	Mrs. Arun Sabbarwal	01214723310	sab_arun@hotmail.com
Co-chair welcome	Mr Hameed Malik	07958324717	hameedmalik@blueyonder.co.uk
Chair Technical	Dr. Sanjay Mansingh	077104453658	sanajy@mansingh.com
Chair Fund Raising	Dr. Keshav Singhal	07787147203	keshav.singhal@gmail.com
Co-Chair Fund Raising	Dr. Arun Trivedi	07912645900	uksanskriti@googlemail.com
Chair Youth	Mr. Partab Hirani	07817111891	pratab@hotmail.com
Co-Chair Youth	Mr. Gurpreet Bhatia	07770225982	g.bhatia@hhcsolicitors.com
Chair Media, Publicity	Mrs. Padmaja, HCI	07778046564	fs.pni@hcilondon.in
Co-Chair Media, Publicity	Dr. Krishna Kanhaiya	07803598165	kanhayakrishna@hotmail.com
Chair Souvenir	Mrs. Jai Verma	07866457622	jaiverma777@yahoo.co.uk
Co-Chair Souvenir	Mrs. Kusum Tandan Mrs. Chitra Kumar Dr. Jugnu Mahajan	01509215770 07868417075 01773875913	kusum_tandon@yahoo.co.uk chitra.kumar1@yahoo.co.uk mahajanjugnu@yahoo.co.uk
Culture Coordinator	Mr. Gowri Shankar, Nehru Centre	070750146804	gowrishankar@nehrucentre.org.uk
European Co-ordinator	Prof. Mohan Kant Gautam	003164495061	gautam@atnet.nu
Chair Volunteer	Mr Surjit Dhami	07957550103	dhami@hotmail.com

ACKNOWLEDGEMENT

The Organising Committee of UKRHS-2011 gratefully acknowledges direct financial support from the following

1. Air India
2. India Tourism
3. Tea Board London
4. KTC Edible Ltd
5. East End
6. SND Electricals
7. State Bank of India
8. Punjab National Bank
9. Bank of India
10. Dr. Paul Nischal
11. Katha UK and Asian Community Arts
12. Asian Funerals
13. Haveli Restaurant
14. Sukhdev's Catering Services Ltd.
15. Prabhjot S. Sagoo
16. G.P.S. Construction Ltd
17. Shri Venkateswara Balaji Temple
18. Mr. Harmohinder Bhatia "Upashak"
19. Mr. Kuldip Roopra
20. National Council of Hindu Priests
21. Councillor Zakia Zubairi
22. Gita Mandir
23. Mrs Rama Joshi
24. Mrs Swaran Talwar
25. Mrs Aruna Sabharwal

And also the following for Catering and refreshment support

1. Shree Durga Bhawan
2. Sanjhi Radio
3. Sri Dashmesh Sikh Temple
4. Naamdhaari Sangat
5. Ambar Radio
6. Federation of Indian Muslim Organisation
7. Asian Tent Services

Step up to a great rate of
5.75% AER*

A flexible fixed deposit designed to give you higher returns, the longer you save. Withdrawals can be made from the second anniversary of the account opening.

State Bank of India
With you - all the way
Pure Banking. Nothing else.

www.sbiuk.com

16,000 STATE BANK GROUP BRANCHES IN 32 COUNTRIES I 146 MILLION CUSTOMERS I IN THE UK SINCE 1921

CITY OF LONDON	BIRMINGHAM	EAST HAM	GOLDERS GREEN	HARROW	LEICESTER	MANCHESTER	SOUTHALL
t: 0808 168 0304	t: 0121 515 0400	t: 0208 470 2992	t: 0208 458 3856	t: 0203 114 1027	t: 0116 242 8830	t: 0161 817 2530	t: 0208 574 0111

*For the fifth year of deposit.
Overall average rate of 4.59%.
As long as you keep your funds with us, you will get the higher rate the following year.

State Bank of India is regulated by the FSA and register number is 139156. State Bank of India is a member of the Financial Services Compensation Scheme established under the Financial Services and Market Act 2000. The Financial Services Compensation Scheme protects deposits held with our UK branches. Payments under this scheme are limited to £85,000 of your total deposits with us. In practice, this means that each of our customers will be compensated up to a maximum of £85,000 of their total deposits. Where two depositors hold a joint account, each depositor may receive a maximum of £85,000 compensation in respect of their claim, giving a total of £170,000.

State Bank of India is a bank incorporated and headquartered in India and is regulated by the Reserve Bank of India.

The information provided is based on the current regulations, which are subject to change at any time without notice. For further information or clarification please contact the nearest branch.
*AER stands for Annual Equivalent Rate and illustrates the interest rate if it was paid and compounded once each year. GROSS is a contractual rate payable before deduction of income tax at rate specified by law.

Dr. Paul Nischal
Founder President & Chief Executive
N.R.I Club International Trust
A Registered charity Supporting Educational projects in India
Wish Gitanjali Multilingual Literary Circle, Birmingham (UK) for hosting UK Regional Hindi Conference.

Best Wishes for all their work.

Experience a taste of elegance...

Haveli Cater for:
The Belfry Oxford
Pinewood Hotel
Monkey Island
Copthorne Hotel
Stoke Place Hotel
Pinewood Studio's
Heythrop Park Hotel
The Bell House Hotel
Edwardian Marquee
The Windsor Castle Hotel
Dorney Lake Rowing Club
Blue Mountain Golf Course
Crown Plaza Hotel Marlow
Holiday Inn Hotel, Brentford
International Telford Centre
Holiday Inn Hotel, Maidenhead
The Raddisson Edwardian Heathrow
The Raddisson Edwardian Bloomsbry

Haveli
Restaurant and Banqueting

A: 93 Stoke Poges Lane, Slough, Berkshire SL1 3NJ
T: 01753 820 33 • F: 01753 513 036 • E: info@havelirestaurant.com
www.HaveliRestaurant.com

"Haveli Banqueting Suite - seating up to 500 guests"

punjab national bank
(International) Limited

- Free and instant remittance to any PNB branch in India
- Quick remittance to any Bank in India
- Free International Debit Card
- Retail and Corporate Internet Banking
- NRI accounts with Punjab National Bank in India
- Attractive rates of interest on Deposits
- Nominal charges for Business Accounts
- Money Transfer and Banking from wherever you are in the UK

Conditions apply

Corporate Office
London: GuildHall House, 87 Gresham Street, London EC2V 7NQ, UK. Tel: +44 (0)207 796 9600 Fax: +44 (0)207 796 1015
Branch Offices
Southall: 90 South Road, Southall, Middlesex UB1 1RD. UK. Tel: +44 (0)208 574 5500 Fax: +44 (0)208 574 9400
London: GuildHall House, 87 Gresham Street, London EC2V 7NQ, UK. Tel: +44 (0)207 796 9600 Fax: +44 (0)207 796 1015
Birmingham: 290 Soho Road, Birmingham B21 9LZ, UK. Tel +44(0)121 554 9082 Fax +44(0)121 554 9083
Leicester: 160 Belgrave Road, Leicester, LE4 5AU UK. Tel: +44 (0)116 266 1960 Fax: +44 (0)116 266 1954
Ilford: 47 Cranbrook Road, Ilford, Essex, IG1 4PG, UK. Tel: +44 (0)208 514 9440 Fax: +44 (0)208 514 9445
Wembley: 188,Ealing Road, Wembley, Middlesex, HA0 4QD, Tel: +44 (0)208 903 7667 Fax: +44 (0)208 903 6536
Wolverhampton: Hazara House, 502-504 Dudley Road, Wolverhampton, WV2 3AA
Tel : +44 (0) 1902 870 380 Fax : +44 (0) 1902 870 001

Authorised and Regulated by the Financial Services Authority
www.pnbinternational.co.uk

His Holiness Hazur Tarlochan Darshan Das Ji

His Holiness Hazur Mahraz Darshan Das, The Founder of a global multi-faith charity for Unity; Humanity; Love; and Peace – Sachkhand Nanak Dham, has been embraced in the modern world through the leadership of His Holiness Hazur Mahraz Tarlochan Darshan Das. As once stated by The Founder "The Changing face of Das Dharam will occur after me in the future with God's Will. Das Dharam was born due to the confusion and fears amongst religions, races and peoples belief and trust in humankind across India and in the western world."

His Holiness Hazur Mahraz Tarlochan Darshan Das (as pictured) has been leading the ideology of Das Dharam to perfection as a Perfect Living Holy Master. This has resulted in the global charity and meditational methods being adopted as a Peaceful Way of Multi-Faith Life across UK; USA; Canada, Africa; and across India.

As the Spiritual Head of Sachkhand Nanak Dham & The Holy Master of Das Dharam, a key message from His Holiness His Holiness Hazur Mahraz Tarlochan Darshan Das for the UK Regional Hindi Sammelan is that of Great hope for a continued peaceful cohesion amongst the variety of respected Indian cultures and faiths.

Jaspal Singh – Chairman of Sachkhand Nanak Dham,
Email: info@sachkhandnanakdham.com

कथा (यूके)
Katha (UK)

ASIAN
COMMUNITY ARTS

एशियन कम्यूनिटी आर्ट्स एवं कथा यू.के.

बर्मिंघम में होने जा रहे क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन

की आयोजन समिति, संबद्ध संस्थाओं एवं भारतीय उच्चायोग को

इस सम्मेलन की सफलता

के लिये शुभकामनाएं प्रेषित करते है।

SMETHWICK ASIAN FUNERALS

The Only Independent Asian Specific Funeral Service in the Midlands Area

Trust Ashley Savell-Boss and Jasse Sandhu to arrange the final journey with care and dignity.

- Viewing of prayer chapels
- Choice of horse-drawn hearses
- Repatriation service
- Floral tribute service
- Multi-lingual service
- 1st class wash & dress facilities
- Ashes disposal advice
- Funerals available 7 days a week
- We charge no extra for saturday funerals

ਆਖਰੀ ਵਿਦਾਈ आखिरी विदाई

24 hours personal service built on 25 years of experience

0121 558 6117 Email: jasse@smethwickasianfunerals.com or ashley@smethwickasianfunerals.com

66 High Street, Smethwick B66 1DS

Our Felicitations & Greetings for a very Successful

UK Regional Hindi Sammelan - 2011

UKRHS - 2011

Shri Balaji Temple Trustees and Committee Members

SHRI VENKATESWARA BALAJI TEMPLE

REGISTERED CHARITY NO. 326 712

DUDLEY ROAD EAST, TIVIDALE,
NR BIRMINGHAM B69 3DU

TEL: 0121 544 2256 FAX: 0121 544 2257

EMAIL: templeoffice@balajitemple.freeserve.co.uk

EMAIL: contact@venkateswara.org.uk

WEB: venkateswara.org.uk

Shri Balaji Community Centre ,
A newly built community centre in the premises of Temple is fully equipped and convenient for social functions , Religious functions ,cultural activities, meetings and exhibitions etc.. now open for bookings

---

G.P.S. CONSTRUCTIONS LTD

Building New Extensions, New Homes, Renovation Grant Work & General Building

Registered with: Birmingham City Council, Sandwell Council & Walsall Council

Paramjit: **07798 755989** Sarbjit: **07956 888611** Tel/Fax: **0121 588 2740**

Website: www.gpsconstructions.co.uk Email: gpsconstructions@btinternet.com

58 Walsall Road, West Bromwich B71 3HL

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India
Relationship beyond banking

1[ST] INDIA BASED BANK TO OPEN A BRANCH IN LONDON IN 1946.

INDIA'S LEADING PUBLIC SECTOR BANK WITH 32 OVERSEAS BRANCHES /REPRESENTATRIVE OFFICES IN 5 CONTINENTS

Retail Banking
Current Accounts/Saving Deposits
Fixed Deposits/Call Deposits
Personal & Corporate Finance
Syndicated Loans/Trade Finance
Treasury/Remittances
NRI accounts with ATM/Internet Banking
ONLINE INTERNET BANKING WITH 2 FACTOR AUTHENTICATIONS

Our branches in UK & Jersey

London	020 7965 2500
East Ham	020 8471 1131
Wembley	020 8903 5355
Birmingham	012 1507 9940
Leicester	011 6266 8464
Manchester	016 1236 3723
Glasgow	014 1352 6989
Jersey	015 3487 3788

Website- www.bankofindia.uk.com
Chief Executive Office 63 Queen Victoria Street 4[th] Floor EC4N 4UA LONDON
Bank of India is Authorized and Regulated in UK by Financial Services Authority (No 204629)
A member of Financial Services Compensation Scheme. Government of India is a major shareholder in the Bank

The Organising Committee of UKRHS 2011 gratefully acknowledges the support of:

1. D.S. Hindi
2. HCI London
3. CGI Birmingham
4. Prof. Pawan Budhwar and his staff at Aston University
5. N N Daya Printers
6. Utpal Banga

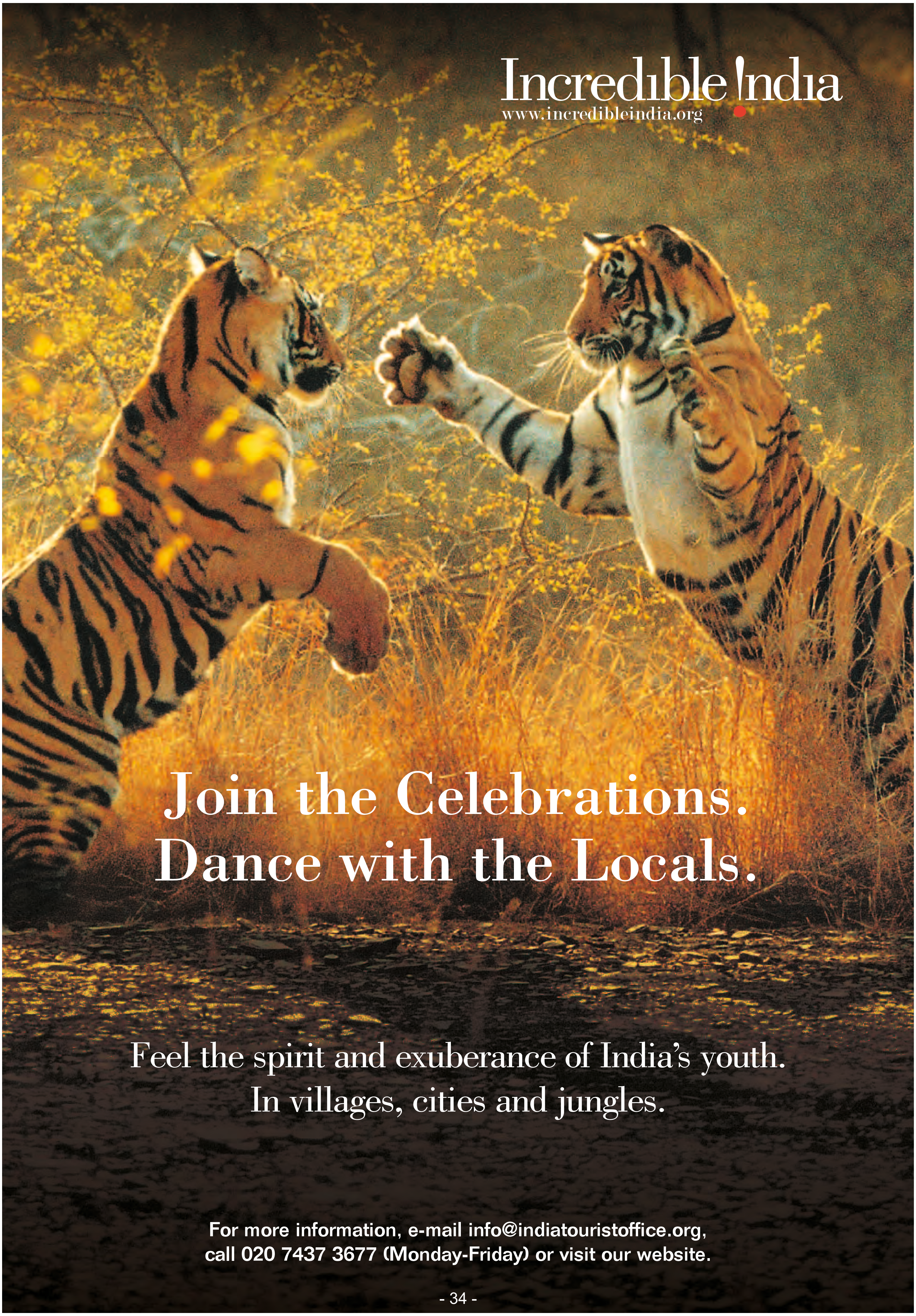
Incredible !ndia
www.incredibleindia.org
Join the Celebrations.
Dance with the Locals.
Feel the spirit and exuberance of India's youth.
In villages, cities and jungles.
For more information, e-mail info@indiatouristoffice.org,
call 020 7437 3677 (Monday-Friday) or visit our website.

Do your spices pass the East End test?

Our buyers go to extraordinary lengths, searching the world's continents for the finest spices, testing for purity, taste and quality at source. Once in the UK our spices are tested again before being re-cleaned and ground in our own spice mill; creating the spices of exceptional quality, purity, aroma and flavour that our customers adore.

East End

Purity, Quality and Value are our standard.

Tel: +44 (0)121 553 1999 · Website: www.eastendfoods.co.uk · Email: info@eastendfoods.co.uk

a personal approach to electrical & lighting

ELECTRICAL WHOLESALERS • CCTV
HOME AUTOMATION • LED & LIGHTING SPECIALISTS

SND Electrical & Lighting

19-25 Constitution Hill, Hockley, Birmingham B19 3LG

Tel: 0121 236 5012 • Fax: 0121 233 3654

sales@sndelectrical.co.uk • www.sndelectrical.co.uk

Branches in: **London, Leicester & Manchester**